घर मेरे आना श्याम | By Anand Singh

दर्शन को दिल है दीवाना श्याम घर मेरे आना
घर मेरे आना श्याम घर मेरे आना
दर्शन को दिल है दीवाना.....

कब से हैं दर्शन को व्याकुल ये अँखियाँ
अँखियों में आके समाना श्याम घर मेरे आना
दर्शन को दिल है दीवाना.....

मोर मुकुट तेरे माथे सजाऊंगी
आकर के मुरली बजाना श्याम घर मेरे आना
दर्शन को दिल है दीवाना.....

माखन मिश्री मैं तुमको खिलाऊंगी
आकर के भोग लगाना श्याम घर मेरे आना
दर्शन को दिल है दीवाना.....

मुझ बेचैन की बहियाँ पकड़ लो
भव से पार लगाना श्याम घर मेरे आना
दर्शन को दिल है दीवाना.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-anand-singh/